सौंदर्यीकरण के नाम पर खर्च हुए. लिए निगम द्वारा लगभग 10 लाख

अपोलो नर्सिंग कॉलेज में कैंपस इंटरव्यू

कैम्पस इंटरव्यू में विद्यार्थी और प्रबंधकगण

दुर्ग. छत्तीसगढ़ राज्य में देश के सुपर स्पेशलिस्ट हास्पिटल खुल रहे हैं. छत्तीसगढ़ राज्य के दुर्ग जिले का यह गौरव है कि यहां पर हैदराबाद में स्थित अपोलो हॉस्पीटल की शाखा भी खुल चुकी है. अपोलो हॉस्पीटल में नर्सिंग स्टॉफ की नियुक्ति हेतु प्रबंधक (एचआर) सुश्री जयाश्री बादल, कार्यकारी (एचआर) सुश्री आकांक्षा गोस्वामी, नर्सिंग प्रभारी श्रीमती आभा मिंज, व्यवस्थापक श्रीमती लीपी द्वारा अंजोरा स्थित अपोलो कॉलेज ऑफ नर्सिंग में कैंपस इंटरव्यू लिया गया. जिसमें अपोलो कॉलेज ऑफ नर्सिंग में अध्ययनरत चतुर्थ वर्ष के विद्यार्थियों ने भाग लिया.

श्रीमती आभा मिंज ने महाविद्यालय में अध्ययनरत विद्यार्थियों की प्रशंसा करते हुए कहा कि अपोलो कॉलेज ऑफ नर्सिंग में अध्ययनरत विद्यार्थी काफी प्रतिभावान व मेहनती हैं. निश्चय ही यहां पर अध्ययन करने वाले विद्यार्थी जब फील्ड में जायेंगे तो महाविद्यालय का नाम रौशन करेंगे.

विदित हो कि अपोलो कॉलेज ऑफ नर्सिंग के विद्यार्थियों को जिला चिकित्सालय दुर्ग एवं जिला चिकित्सालय राजनांदगांव के अतिरिक्त शहर के प्रतिष्ठित अस्पतालों जैसे गायत्री हास्पीटल, एम.पी. नर्सिंग होम, मंगलम हास्पीटल, गुलाटी नर्सिंग होम, गुप्ता नर्सिंग होम में भी प्रायोगिक कार्य हेतु भेजा जाता है, जिससे विद्यार्थी प्रायोगिक कार्य में दक्ष हो जाते है. महाविद्यालय की प्राचार्या सुश्री भावना नायडू ने बताया कि वर्तमान में नर्सिंग ही ऐसा पाठ्यक्रम है जिसमें रोजगार की संभावना शत प्रतिशत रहती है.

अपोलो कॉलेज ऑफ नर्सिंग में चार वर्षीय बी.एस.सी. नर्सिंग तीन वर्षीय जीएनएम व 2 वर्षीय एएनएम तथा पोस्ट बेसिक नर्सिंग पाठ्यक्रम का संचालन किया जा रहा है व अगले वर्ष से एमएससी पाठ्यक्रम भी प्रारंभ होने वाला है. महाविद्यालय के विद्यार्थियों को साइकेट्रिक हॉस्पीटल में ट्रेनिंग हेतु एक माह के लिए भारत के प्रसिद्ध रांची हास्पिटल ले जाया जाता है. चयनित विद्यार्थियों का महाविद्यालय के शिक्षक सुश्री भावना नायडू, श्रीमती शीजा, श्रीमती प्रभा पांडे, सुश्री काजल, सुश्री प्रतीक्षा, सुश्री सुमालता, श्री स्वपनिल आदि ने बधाई दी तथा अपोलो बीएसआर हॉस्पीटल के नर्सिंग प्रभारी श्रीमती आभा मिंज को धन्यवाद प्रेषित किया.

शुल्क वृद्धि पर रोक लगाने की मांग